Class-iii

घोड़ा

घोड़ा बड़े काम का पशु है। इसमें बड़ी शक्ति होती है। इसका कद चार-पांच फुट होता है। इसके कान छोटे-छोटे होते हैं। पूंछ और टांगें लम्बी होती हैं। इसके गले पर बाल होते हैं। घोड़े के खुरों में लोहे की नाल ठोंकते हैं। इससे यह सड़क पर फिसलता नहीं। घोड़े का रंग भूरा, सफेद, काला-सा या चितकबरा होता है। यह घास और दाना खाता है।

घोड़े पर जीन चढ़ाकर सवारी करते हैं। यह तांगे, बग्घी, घोड़ागाड़ी आदि में भी जोता जाता है।

यह बहुत तेज दौड़ता है। इसे वश में रखने के लिए इसके मुंह में लगाम लगाते हैं। घोड़े घुड़साल में बांधे जाते हैं।

पुराने समय में वीर सैनिक घोड़े पर चढ़कर युद्ध किया करते थे। घुड़सवार सेना पैदल सेना से अधिक शक्तिशाली समझी जाती थी। विवाह के समय वर सजी हुई घोड़ी पर बैठकर वधू के घर जाता है।

घोड़ा बहुत स्वामिभक्त पशु है।

Class-iii

8. बड़े भाई के विवाह के अवसर पर आमंत्रित करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

ए-25, राम नगर
अमेठी, सी.एस. नगर (उ.प्र.)।
03 मार्च 20xx

प्रिय रोहित

सप्रेम नमस्ते।

तुम्हें यह जानकर अत्यंत हर्ष होगा कि परम पिता ईश्वर की असीम कृपा से मेरे बड़े भाई का विवाह आगामी 28 मार्च को होना निश्चित हुआ है। बारात हमारे निवास स्थान से दोपहर तीन बजे प्रतापगढ़ के लिए रवाना होगी। विवाह की इस पावन बेला पर मैं तुम्हें सादर आमंत्रित करता हूँ। मैंने दो-तीन अन्य मित्रों को भी आमंत्रित किया है। तुम्हारे आने से बारात में शामिल होने की खुशी दूगनी हो जाएगी। तुम अपने आने की सूचना पहले दे देना। मैं सी.एस.एम. नगर रेलवे स्टेशन पर तुम्हें लेने आ जाऊँगा। कृपया समय से एक दिन पूर्व पहुँचने का कष्ट करना।

वैवाहिक कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी संलग्न निमंत्रण पत्र पर छपी है।

तुम्हारे आगमन की प्रतीक्षा में,

शैलेश मौर्य